परिशिष्ट

परिशिष्ट : एक

पद-साहित्य के रचयिता विशिष्ट जैन कवि

हिन्दी में पद साहित्य की रचना करने वाले जैन कवियों और सन्तों की पूरी तालिका तब तक बन पाना कठिन है, जब तक सभी प्राचीन शास्त्र भण्डारों का सर्वेक्षण नहीं हो जाता और उनकी सूचियां नहीं बन जातीं । डा० कस्तूरचन्द कासलीवाल ने राजस्थान के ग्रन्थ भण्डारों की सूची भाग ४ में जिन ग्रन्थों की सूची दी है, उससे १४० से भी अधिक पद रचयिता जैन कवियों की सूचना मिलती है । यहां मात्र उन कवियों की अनुमानित समय क्रम से सूची प्रस्तुत है, जिनके पद प्राय: प्रकाश में आ चुके हैं और पद साहित्य में जिनका विशेष स्थान है ।

१- भट्टारक रत्नकीर्ति	संवत् १५९०-१६५६
२- भट्टारक कुमुदचन्द्र	संवत् १६२५-१६८७
३- पं० रूपचन्द्र	संवत् १६३०-१७००
४- बनारसीदास	संवत् १६४३-१७०१
५- जगजीवन	संवत् १६५०-१७२०
६- जगतराम	संवत् १६८०-१७४०
७- धानतराय	संवत् १७३३-१७८३
८- भुधरदास	संवत् १७५०-१८०६
९- वस्तराम साह	संवत् १७८०-१८४०
१०-नवलराम	संवत् १७९०-१८५५
११-बुधजन	संवत् १८३०-१८९५
१२-दौलतराम	संवत् १८५५-१९२३

१९वीं शती के अन्य विशिष्ट कवि

१३- छत्रपति	१४- पं० महाचन्द	१५- भागचन्द
१६- टोडरमल	१७- द्यानचन्द्र	१८-मनराम
१९- विद्यासागर	२०- साहिबराम	२१- ज्ञानानन्द

२२- विनयविजय
२३- आनन्दघन
२४- किशानन्द
२५- भ० सुरेन्द्रकीर्ति
२६- बिहारीदास
२७-रैसराज
२८- हीराचन्द
२९- हीरालाल
३०-मानिकचन्द
३१- धर्मपाल
३२- नयनानन्द
३३- देवीदास
३४- घासीराम
३५- जिनहर्ष
३६- किशन सिंह
३७- सरूपराम
३८- विनोदीलाल
३९- पारसदास

परिशिष्ट : दो

हिन्दी साहित्य के रचयिता प्रमुख जैन सन्त और कवि

हिन्दी में जैन सन्तों-कवियों ने पद साहित्य के अतिरिक्त विभिन्न काव्य रूपों में साहित्य रचना की है। प्रबन्ध काव्य, चरित, पुराण, कथा, रासो, धमाल, बारहमासा, हिण्डोलना, बावनी, सतसई, वेलि, विवाहलो, फागु आदि विधाओं में रचित प्रचुर साहित्य ग्रन्थ भण्डारों में उपलब्ध होता है। हिन्दी साहित्य के अध्येताओं का ध्यान इस ओर आकृष्ट होना चाहिए। इससे हिन्दी साहित्य के इतिहासमें नयी सामग्री समाकलित होगी। यहां कतिपय प्रमुख जैन सन्तों--कवियों की सूची उनके अनुमानित समय के उल्लेख के साथ प्रस्तुत है --

१- राजशेखर सूरि	वि० सं० १४०५
२- सधारु	वि० सं० १४११
३- विनयप्रभ उपाध्याय	वि० सं० १४१२
४-मेरुनन्दन उपाध्याय	वि० सं० १४१५
५- विद्धणु	वि० सं० १४१५
६- सोमसुन्दर सूरि	वि० सं० १४५०-१४९९
७- उपाध्याय जयसागर	वि० सं० १४७८-१४९५
८- हीरानन्द सूरि	वि० सं० १४८४-१४९५
९- भट्टारक सकलकीर्ति	वि० सं० १४९९
१०-श्री पद्मतिलक	वि० की १५ वीं शती का अन्त-१६ वीं शतीका आरंभ
११-ब्रह्म जिनदास	वि० सं० १५२०
१२-मुनि चरित्रसेन	वि० सं० १५ वीं शताब्दी का प्रथम या द्वितीय पाद
१३-लावण्यसमय	वि० सं० १५२१
१४-संवेगसुन्दर उपाध्याय	वि० सं० १५४८
१५-ईश्वरसूरि	वि० सं० १५६१
१६-चतुरुमल	वि० सं० १५७१
१७- भट्टारक ज्ञानभूषण	वि० सं० १५७२

१८- विनयचन्द्र मुनि	१६ वीं शती प्रथम पाद
१९- कवि ठकुरसी	वि० सं० १५७८
२०- विनयसमुद्र	वि० सं० १५८३
२१- कवि हरिचन्द	वि० सं० की १६वीं शती का प्रथम पाद
२२- देवकलश	विक्रम की १६ वीं शती का उत्तरार्ध
२३- मुनि जयलाल	विक्रमकी १६वीं शताब्दी का उत्तरार्ध
२४- श्री शान्तिरंग गणि	वि०की १६ वीं शताब्दी का उत्तरार्ध
२५- श्री गुणसागर	विक्रम की १६ वीं शती का उत्तरार्ध
२६- छुचराज	वि० सं० १५३७-१५६७
२७- छीहल	वि० सं० १५७५
२८- ब्रह्म रायमल्ल	वि० सं० १६१५
२९- कुशललाभ	वि० सं० १६१६
३०- साधुकीर्ति	वि० सं० १६१८
३१- हीरकलश	वि० सं० १६२४
३२- पाण्डे जिनदास	वि० सं० १६४२
३३- त्रिभुवनचन्द्र	१७ वीं शताब्दी विक्रम का पूर्वार्ध
३४- कवि परिमल्ल	वि० सं० १६५१
३५- वादिचन्द्र	वि० सं० १६५१
३६- गणि महानन्द	वि० सं० १६६१
३७- मेघराज	वि० सं० १६६१
३८- सहजकीर्ति	वि० सं० १६६१-१६६७
३९- ब्रह्मगुलाल	वि० सं० १६६२
४०- उदयराज जती	वि० सं० १६६७
४१- हीरानन्द मुकीम	वि० सं० १६६८
४२- हेमविजय	वि० सं० १६७०
४३- नन्दलाल	वि० सं० १६७०
४४- कवि सुन्दरदास	वि० सं० १६७५

४५- पं० भावतीदास	वि० सं० १६८०
४६- हर्षकीर्ति	वि० सं० १६८३
४७- कनककीर्ति	१७ वीं शताब्दी विक्रम उत्तरार्द्ध
४८- कुंवर पाल	वि० सं० १६८४
४९- यशोविजयजी उपाध्याय	वि० सं० १६८०-१७४३
५०- पाण्डे हेमराज	वि० सं० १७०३-१७३०
५१- पं० मनोहर दास	वि० सं० १७०५-१७२८
५२- लालचन्द लब्धोदय	वि० सं० १७०७
५३- पं० हीरानन्द	वि० सं० १७११
५४- रायचन्द	वि० सं० १७१३
५५- अचलकीर्ति	वि० सं० १७१५
५६- रामचन्द्र	वि० सं० १७२०-१७५०
५७- जोधराज गोधीका	वि० सं० १७२१
५८- विश्वभूषण	वि० सं० १७२९
५९- जिनरंगसूरि	वि० सं० १७३१
६०- भैया भावतीदास	वि० सं० १७३१-१७५५
६१- शिरोमणिदास	वि० सं० १७३२
६२- बुलाकीदास	वि० सं० १७३७-१७५४
६३- विनयविजय	वि० सं० १७३९ तक थे ।
६४- खेतल	वि० सं० १७४३-१७५५
६५- लक्ष्मीवल्लभ	१८वीं शताब्दी का दूसरा पाद
६६- कुशालचन्द काला	वि० सं० १७७३
६७- निहालचन्द	वि० सं० १८ वीं शती का अन्तिम पाद
६८- भवानीदास	वि० सं० १७९१
६९- अजयराज पाटणी	वि० सं० १७९२-१७९४

परिशिष्ट : तीन

पदों में प्रयुक्त राग

हिन्दी पद विभिन्न रागों में निबद्ध हैं। संगीत के साथ इन्हें गाने की परम्परा रही है। जैन कवियों ने भी अपने पद विभिन्न राग-रागनियों में रचे हैं। यहां ऐसे ६७ रागों की अनुक्रमणिका प्रस्तुत है जिनका प्रयोग जैन कवियों ने अपने पदों में किया है। `हिन्दी पद साहित्य में संगीत तत्व` अनुसन्धान का एक स्वतन्त्र एवं महत्वपूर्ण विषय है जिस पर भविष्य के अनुसन्धाताओं का ध्यान जाना चाहिए --

१- अष्टपदी मल्हार
२- आसावरी
३- ईमन
४- उमराव जोगी रासा
५- एही
६- कनड़ी
७- कल्याण
८- कल्याण चंचरी
९- कान्हरौ
१०-कानेरी नायकी
११-काफी
१२-काफी कनड़ी
१३-काफी होरी
१४- कालंगडो
१५- केदार
१६- खमाचि
१७- ख्याल
१८- ख्याल तमाशा
१९- गंधार
२०- गुज्जरी
२१- गौडी
२२- गौरी
२३- चंचरी
२४- चौतालो
२५- जंगला
२६- जिलौ
२७- जेतश्री
२८- जौनपुरी
२९- जोगीरासा
३०- झंझौटी
३१- टोडी
३२- दरबारी कान्हरौ
३३- दीपचन्दी
३४- देवगंधार

३५- देशाख
३६- देशाख प्रभाति
३७- देशीचाल
३८- धनाश्री
३९- नट
४०- नट नारायण
४१ परज
४२- प्रभाती
४३- पालु
४४- पुरबी
४५- बरवा
४६- बसन्त
४७- बिलावल
४८- भुपाली
४९- भैरव
५०- भैरवी
५१- भैरू
५२- मल्हार
५३- मांढ
५४- मारू
५५- मालकोष
५६- रामकली
५७- ललित
५८- लावनी
५९- विभास
६०- विहाग, बिहागडी, बिहागरी
६१- सारंग
६२- सारंग बृन्दावनी
६३- सिन्दुरिया
६४- सोरठ
६५- सोरठ में होली
६६- सोहनी
६७- होरी

परिशिष्ट : चार

सन्दर्भ - ग्रन्थ - सूची

मूल ग्रन्थ

प्राकृत

अष्टपाहुड	आचार्य कुन्दकुन्द, श्री पाटणी दिगम्बर जैन ग्रन्थमाला, मारोठ, मारवाड़ ।
अन्तगडदसाओ	पी० एल० वैद्य सम्पादित, पुना, १९३२ ई०
आयारो (आचारांग)	सं० मुनि नथमल, जैन विश्वभारती, लाडनूं ।
आवश्यकसूत्र (आवश्यक निर्युक्ति सहित),	आगमोदय समिति ग्रन्थोद्धार, सूरत
उवसग्गहरस्तोत्र	(जैन स्तोत्र संग्रह के अन्तर्गत) भावनगर
उत्तराध्ययन	स० साध्वी चन्दना, सन्मति ज्ञानपीठ, आगरा
उवासगदसाओ	स० मधुकर मुनि, आगम ग्रन्थ प्रकाशन समिति, ब्यावर ।
उवासयाज्झयण (वसुनन्दि श्रावकाचार)	वसुनन्दि, भारतीय ज्ञानपीठ, वाराणसी
कसायपाहुड	(जयधवला टीका सहित), जैन संघ, मथुरा (उ० प्र०)
कत्तियाणुवेक्खा (कार्तिकेयानुप्रेक्षा),	स्वामी कार्तिकेय, सम्पा० डॉ० आ० ने० उपाध्ये, श्रीमद् राजचन्द्र जैन शास्त्रमाला, आगास ।
कुन्दकुन्द ग्रन्थावलि	संपा० पं० पन्नालाल जैन, श्रुतभंडार और ग्रन्थ प्रकाशन समिति, फल्टन ।
गोम्मटसार-जीवकाण्ड	आचार्य नेमिचन्द्र , श्रीमद् राजचन्द्र जैन शास्त्रमाला, आगास ।
चारित्र पाहुड	आचार्य कुन्दकुन्द, कुन्दकुन्द भारती के अन्तर्गत, श्रुतभंडार और ग्रन्थ प्रकाशन समिति, फल्टन
चेइयवंदणमहाभासं	श्री शान्तिसूरि संकलित, श्री जैन आत्मानन्द सभा, भावनगर, वि० सं० १९७७ ।
जयतिहुअण स्तोत्र	जैन प्रभाकर प्रिंटिंग प्रेस, रतलाम ।

तिलोयपण्णत्ति (भाग १,२) : श्री यतिवृषभाचार्य, डाक्टर ए० एन० उपाध्ये और डॉ० हीरालाल जैन सम्पादित, जैन संस्कृति संरक्षक संघ, शोलापुर ।

दशवैकालिक : स० मुनि नथमल, जैन विश्वभारती, लाडनूं ।

द्रव्यसंग्रह : नेमिचन्द्र सिद्धान्ति, श्री गणेशप्रसाद वर्णी जैन ग्रन्थमाला, वाराणसी ।

निशीथचूर्णि : जिनदास गणी, विजयप्रेम सूरीश्वर सम्पादित, वि० सं० १९९५ ।

पद्मचरियं : विमलसूरि, डा० याकोबी सम्पादित, जैन धर्मप्रसारक सभा भावनगर, १९१४ ई०

प्रवचनसार : आचार्य कुन्दकुन्द, डाक्टर ए० एन० उपाध्ये, श्री परमश्रुत प्रभावक मण्डल, श्रीमद् राजचन्द्र जैन शास्त्रमाला, अगास ।

पंचास्तिकाय : आचार्य कुन्दकुन्द, सम्पा० प्रो० ए० चक्रवर्ती, भारतीय ज्ञानपीठ, वाराणसी ।

पाइअ-सद्द-महण्णव : पं० हरगोविन्ददास, त्रिकम सेठ सम्पादित, कलकत्ता

भगवतीसूत्र : बेचरदास भगवानदास सम्पादित, जिनागमप्रकाश सभा, अहमदाबाद, वि० सं० १९७९-१९८८

भगवती आराधना : शिवार्यकोटि, मुनि श्री अनन्तकीर्ति, दिगम्बर जैन ग्रन्थमाला हीराबाग, बम्बई ।

मरुसंगहो : कुन्दकुन्द भारती के अन्तर्गत, श्रुत भण्डार और ग्रन्थ प्रकाशन समिति, फल्टन ।

मूलाचार : वट्टकेर, पं० पन्नालाल सोनी सम्पादित, माणिकचन्द दिगम्बर जैन ग्रन्थमाला, बम्बई, १९२० ई०

समयसार : आचार्य कुन्दकुन्द, श्री पाटणी दि० जैन ग्रन्थमाला, मारोठ (मारवाड़), १९५३ ई०

समणसुत्तं : संकलन- जिनेन्द्र वर्णी, सर्व सेवा संघप्रकाशन, वाराणसी

सूयगडंग-सुत्तागमे भाग १, जैन विश्वभारती, लाडनूं (राजस्थान)

षट्खण्डागमसूत्र (धवला टीका सहित), भगवत् पुष्पदन्त भूतबलि , अमरावती, विदिशा

ठाणांग जैन विश्वभारती, लाडनूं (राजस्थान)

संस्कृत

अकलंक स्तोत्र भट्टाकलंक, कटनी, मुड़वारा, वि० सं० १९६३

अनगार धर्मामृत आशाधर, भारतीय ज्ञानपीठ, वाराणसी

अभिधान चिन्तामणि आचार्य हेमचन्द्र, भावनगर, वीं० नि० सं० १९६३

आप्तपरीक्षा आचार्य विद्यानन्द, दरबारीलाल कोठिया सम्पादित, वीर सेवा मन्दिर ट्रस्ट, सरसावा, १९४९ ई० ।

आप्तमीमांसा स्वामी समन्तभद्र, वीरसेवा मन्दिर ट्रस्ट, वाराणसी

उपदेश-सप्ततिका श्रीमत्सोमधर्मगणि, आत्मानन्द सभा, भावनगर, १९३७ ।

उपासकाध्ययन आचार्य सोमदेव सूरि, सम्पा० पं० कैलाशचन्द्र शास्त्री, भारतीय ज्ञानपीठ, वाराणसी

कर्मप्रकृति आचार्य नयनन्द, सम्पा० डा० गोकुलचन्द्र जैन, भारतीय ज्ञानपीठ, वाराणसी

काव्यमाला, सप्तम गुच्छक, महामहोपाध्याय दुर्गाप्रसाद, निर्णयसागर प्रेस, बम्बई, १९२६ ई०

क्रियाकोश किशनसिंह, जैन पुस्तक भवन, हरीसन रोड, कलकत्ता

जिनसहस्रनाम पं० आशाधर, पं० हीरालाल, जैन सम्पादित, भारतीय ज्ञानपीठ काशी, वि० सं० २०१०

जिनसिद्धसूरिगीतिम् ऐतिहासिक जैनकाव्य संग्रह, कलकत्ता

जैनस्तोत्रसमुच्चय (सं० प्रा०, अप०), मुनि चतुरविजय सम्पादित, पांडुरंगजावजी, निर्णयसागर प्रेस, वि० सं० १९८४ ।

जैन स्तोत्र सन्दोह (सं०, प्रा०, अप०१, २), मुनि चतुरविजय सम्पादित, साराभाई मणिलाल नवाब, प्रथम भाग, वि० सं० १९८९, दूसरा भाग वि०सं०१९९२

जैन शिलालेखसंग्रह (प्रथम भाग), हीरालाल जैन सम्पादित, माणिकचन्द्र दि० जैन ग्रन्थमाला समिति, बम्बई, २७वां ग्रन्थ ।

जैनेन्द्रसिद्धान्त कोश (भाग १-४), सं० जिनेन्द्र वर्णी, भारतीय ज्ञानपीठ, काशी

तत्वार्थवार्तिकम्	भट्टाकलंक, पं० महेन्द्रकुमार सम्पादित, भारतीय ज्ञानपीठ काशी, १९५३ ई० ।
तत्वार्थश्लोकवार्तिक	श्रीमद्विद्यानन्द स्वामी, पं० मनोहरलाल न्यायशास्त्री सम्पादित, गांधी नाथारंग जैन ग्रन्थमाला, बम्बई, १९१८ ई०
तत्वार्थसूत्र	उमास्वाति, पं० कैलाशचन्द्र जैन सम्पादित, भारतीय दिगम्बर जैन संघ, चौरासी, मथुरा, वी० नि० सं० २४७७ ।
दशभक्ति (सं० प्रा०)	आचार्य प्रभाचन्द्र की संस्कृत टीका और पं० जिनदास पार्श्वनाथ के मराठी अनुवाद सहित, तात्यागोपाल शेटे, शोलापुर, सन् १९२१
दशभक्त्यादिसंग्रह	श्री सिद्धसेन जैन गोयलीय सम्पादित, अखिल विश्व जैन मिशन सलाल (साबरकांठा), गुजरात
द्वात्रिंशिका स्तोत्र	आचार्य सिद्धसेन, श्री उदयसागर सूरि सम्पादित, जैन धर्म प्रसारक सभा, भावनगर, १९०३ ई०
पद्मचरित	आ० रविषेण, सम्पाद० पं० पन्नालाल जैन, भारतीय ज्ञानपीठ वाराणसी ।
पंचस्तोत्र संग्रह	पं० पन्नालाल जैन के भाषानुवाद सहित, दिगम्बर जैन पुस्तकालय, सूरत
पुरुषार्थसिद्ध्युपाय	आचार्य अमृतचन्द्र, श्रीमद् राजचन्द्र जैन शास्त्रमाला, आगास
बृहत् कथाकोश	श्री हरिषेणाचार्य, डाक्टर आ० ने० उपाध्ये सम्पादित, सिंघी जैन ग्रन्थमाला, भारतीय विद्या भवन, बम्बई ।

बृहज्जिनवाणीसंग्रह (सं०प्रा०हि०), स्व० पं० पन्नालाल बाकलीवाल सम्पादित, जैन ग्रन्थ कार्यालय, मदनगंज, किशनगढ़, १९५६ ई० ।

भगवद्गीता	गीता प्रेस, गोरखपुर
भक्तिसूत्रम्	नारदप्रोक्तम्, रायबहादुर पण्डया बैजनाथ की हिन्दी टीका सहित, बनारस, १९३२ ई० ।
भक्तिसुधा	पं० बलभद्र सम्पादित, अहिंसा मन्दिर, दिल्ली, वी०नि०सं० २४८३

भैरवपद्मावती-कल्प	मल्लिषेण, के० वी० अभ्यंकर सम्पादित, दिगम्बर जैन पुस्तकालय, सूरत, वी० नि० सं० २४७६ ।
महाभारत	मण्डारकर ओ० रि० इं०, पूना
महापुराण, भाग १-२	भगवज्जिनसेनाचार्य, पं० पन्नालाल जैन सम्पादित, भारतीय ज्ञानपीठ, काशी, वि० सं० २००७ ।
मोहपराजय	यशपाल मोढ़, गायकवाड़ ओरियंटल सीरीज़, संख्या ६, बड़ौदा १९१८ ई० ।
यशस्तिलकचम्पू (भाग १-२),	आचार्य सोमदेव, निर्णयसागर प्रेस, बम्बई, सन् १९०१-१९०३
युक्त्यनुशासन	आचार्य समन्तभद्र, पं० जुगलकिशोर मुख्तार सम्पादित, वीर सेवा मन्दिर, दिल्ली
योगसार	अमितगति, सनातन जैन ग्रन्थमाला, कलकत्ता
रत्नकरण्डम्	स्वामी समन्तभद्र, वीर सेवा मन्दिर ट्रस्ट, वाराणसी
लाटीसंहिता	राजमल्ल, मा० दि० जैन ग्रन्थमाला, बम्बई
विविधतीर्थ-कल्प	जिनप्रभसूरि, मुनि जिनविजय सम्पादित, सिंघी जैन ज्ञानपीठ, शान्तिनिकेतन, वि० सं० १९९० ।
शासन चतुस्त्रिंशिका	मदनकीर्ति, पं० दरबारीलाल कोठिया सम्पादित, वीर सेवा मन्दिर, सरसावा, वि० सं० २००६
शाण्डिल्य भक्तिसूत्र	श्री रामनारायणदत्त शास्त्री के भाष्यानुवाद सहित, गीता प्रेस, गोरखपुर
श्रावकाचार	अमितगति, अनन्तकीर्ति ग्रन्थमाला, बम्बई
श्रीमद् भागवत पुराण	गीता प्रेस, गोरखपुर
श्रीपुर पार्श्वनाथस्तोत्र	श्रीमद्विद्यानन्दि स्वामी, पं० दरबारीलाल कोठिया सम्पादित, वीर सेवा मन्दिर, सरसावा, वि० सं० २००६
श्रुतावतार	इन्द्रनन्दि, माणिकचन्द दिगम्बर जैन ग्रन्थमाला, बम्बई
समाधितन्त्र	आचार्य देवनन्दि पूज्यपाद, पं० जुगलकिशोर मुख्तार सम्पादित वीर सेवा मन्दिर, सरसावा, १९३९ ई०

समीचीन धर्मशास्त्र	आचार्य समन्तभद्र, पं० जुगलकिशोर मुख्तार सम्पादित, वीर सेवा मन्दिर, दिल्ली, १९५५
सर्वार्थसिद्धि	आचार्य पूज्यपाद, पं० फूलचन्द्र जैन सम्पादित, भारतीय ज्ञानपीठ काशी, वि० सं० १९७७
स्तुति-विद्या	स्वामी समन्तभद्र, पं० जुगलकिशोर मुख्तार की भूमिका सहित, वीर सेवा मन्दिर, सरसावा, वि० सं० २००७
स्वयम्भू स्तोत्र	स्वामी समन्तभद्र, पं० जुगलकिशोर मुख्तार सम्पादित, वीर सेवा मन्दिर, सरसावा, वि०सं० २००८
सागार धर्मामृत	आशाधर, भारतीय ज्ञानपीठ, वाराणसी
सामायिक पाठ	अमितगति, ब्रह्मचारी शीतलप्रसाद जैन सम्पादित, धर्मपुरा, देहली वि० सं० १९७७
हरिभक्तिरसामृतसिन्धु	पूज्यपाद श्रीरूप गोस्वामी, गोस्वामी दामोदरलाल सम्पादित, अच्युत ग्रन्थमाला कार्यालय, काशी, वि० सं० १९८८
हरिवंशपुराण	आचार्य जिनसेन, सम्पा० पं० पन्नालाल जैन, भारतीय ज्ञानपीठ वाराणसी
ज्ञानार्णव	आचार्य शुभचन्द्र, श्री परमश्रुत प्रभावक मण्डल, बम्बई
ज्ञानपीठ पूजांजलि	डा० आ० ने० उपाध्ये सम्पादित, भारतीय ज्ञानपीठ, काशी सन् १९५७ ई०

अपभ्रंश

अपभ्रंश काव्यत्रयी	लालचन्द गान्धी सम्पादित, गायकवाड़ ओरियण्टल सीरीज बड़ौदा, सन् १९२० ई०
जसहरचरिउ	सम्पा० डा० हीरालाल जैन, भारतीय ज्ञानपीठ, वाराणसी
जंबूसामिचरिउ	सम्पा० डा० विमलप्रकाश जैन, भारतीय ज्ञानपीठ, वाराणसी
तत्वसारदूहा	भट्टारक शुभचन्द्र
पउमचरिउ	स्वयम्भू, देवेन्द्रकुमार जैन के हिन्दी अनुवाद सहित, भारतीय ज्ञानपीठ, काशी, १९५७ ई०

परमप्पपयासु (परमात्मप्रकाश), जोइन्दु, डा० ए.एन.उपाध्ये, परमश्रुत प्रभावक मंडल, आस
पाहुडदोहा — मुनि रामसिंह, डा० हीरालाल जैन सम्पादित, कारंजा (बरार) वि० सं० १९९० ।
पासणाहचरिउ — पद्मकीर्ति, प्राकृत टेक्स्ट सोसाइटी, वाराणसी
मयणपराजयचरिउ — हरिदेव, सम्पा० हीरालाल जैन, भारतीय ज्ञानपीठ, काशी
महापुराण (भाग १-३), पुष्पदन्त, डा० पी.एल.वैद्य सम्पादित, माणिकचन्द्र दि० जैन ग्रन्थमाला, बम्बई, सन् १९३७-४१
सावय धम्मदोहा — देवसेन, डा० हीरालाल जैन सम्पादित, कारंजा, बरार, १९३२ ई०
सिद्ध सरहपाद दोहाकोश, राहुल सांकृत्यायन द्वारा सम्पादित
णायकुमारचरिउ, पुष्पदन्त, भारतीय ज्ञानपीठ, वाराणसी

हिन्दी

अध्यात्म सवैया — आमेर शास्त्र भण्डार, जयपुर
आनन्दघन पद संग्रह — अध्यात्मज्ञानप्रसारक मण्डल, बम्बई
कबीर ग्रन्थावली — सम्पादित डा० श्यामसुन्दर दास, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
जायसी ग्रन्थावली — रामचन्द्र शुक्ल द्वारा सम्पादित, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
तुलसी ग्रन्थावली (दूसरा खण्ड), नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
दौलत जैनपद संग्रह — जिनवाणी प्रचारक कार्यालय, कलकत्ता
दौलत विलास — सम्पादित-पन्नालाल बाकलीवाल, जैन ग्रन्थ रत्नाकर, बम्बई, १९०४
नाटक समयसार — बनारसीदास, सस्ती ग्रन्थमाला, दिल्ली
परमार्थ जकड़ी संग्रह — पाण्डे रूपचन्द
पार्श्वपुराण — भूधरदास
बनारसी विलास — सम्पा० भंवरलाल जैन तथा कस्तूरचन्द कासलीवाल, श्री नानुमल स्मारक ग्रन्थमाला, जयपुर
ब्रह्मविलास — भगवतीदास भैया
भूधरविलास — जिनवाणी प्रचारक कार्यालय, कलकत्ता
भूधरविलास — जिनवाणी प्रचारक कार्यालय, हरीसन रोड, कलकत्ता

रामचरितमानस गो० तुलसीदास, गोरखपुर, वि० सं० २००६
विनयपत्रिका तुलसीदास
स्थूलभद्र छत्तीसी कुशललाभ
सूरसागर नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
हिन्दी पद संग्रह साहित्य शोध विभाग, दि० जैन अ० क्षेत्र,श्रीमहावीरजी
यानत पद संग्रह जिनवाणी प्रचारक कार्यालय, कलकत्ता

अध्ययन ग्रन्थ

अपभ्रंश भाषा और साहित्य, डा० देवेन्द्रकुमार जैन, भारतीय ज्ञानपीठ काशी, सन् १९६५
अध्यात्म पदावली संपा० डा० राजकुमार जैन, भारतीय ज्ञानपीठ काशी, सन् १९६४
उत्तरी भारत की सन्त परम्परा ; पं० परशुराम चतुर्वेदी
कविवर बनारसीदास डा० रवीन्द्रकुमार जैन, भारतीय ज्ञानपीठ, काशी
कबीर डा० हजारीप्रसाद द्विवेदी
कबीर का रहस्यवाद डा० रामकुमार वर्मा
कबीर की विचारधारा,डा० गोविन्द त्रिगुणायत, कानपुर
चौबीस तीर्थंकर डा० गोकुलचन्द्र जैन, पराग प्रकाशन, दिल्ली
जैन धर्म पं० कैलाशचन्द्र जैन, भारतीय दिगम्बर जैन संघ,मथुरा, १९५५ ई०
जैन साहित्य और इतिहास, पं० नाथूराम प्रेमी, नवीन सं०, बम्बई,अक्तूबर १९५६
जैन ग्रन्थ और ग्रन्थकार,फतेहचन्द बेलानी,जैन कल्चरल रिसर्च सोसाइटी, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, १९५० ई०
जैन बद्री के बाहुबलि तथा दक्षिण भारत के अन्य जैन तीर्थ, सुरेन्द्रनाथ श्रीपालजी जैन, जैन पब्लिसिटी ब्यूरो, कुलीबाग, तारदेव,बंबई
जैनाचार्य मूलचन्द वत्सल, दि० जैन पुस्तकालय, सूरत
जैन प्रतिमाविज्ञान बालचन्द जैन, महाकौशल जनरल स्टोर, जबलपुर
जैन भक्तिकाव्य की पृष्ठभूमि : डा० प्रेमसागर जैन, भारतीय ज्ञानपीठ,काशी, सन् १९६३
जैन धर्मका मौलिक इतिहास,भाग १ : मुनि हस्तिमल, जैन इतिहास प्रकाशन समिति,जयपुर
तसव्वुफ और सूफीमत , चन्द्रबली पाण्डेय

तीर्थंकर महावीर भक्ति-गंगा : विद्यानन्द मुनि, झूमीमल विशालचन्द, चावड़ी बाजार, दिल्ली, सन् १९६८

तीर्थंकर पं० सुमेरुचन्द्र दिवाकर, सिवनी (म० प्र०)

तीर्थंकर पार्श्वनाथ भक्तिगंगा : संपा० डा० प्रेमसागर जैन, भारतीय ज्ञानपीठ, काशी सन् १९६९

नाथ सम्प्रदाय डा० हजारीप्रसाद द्विवेदी

बौद्ध दर्शन तथा अन्य भारतीय दर्शन : भरतसिंह उपाध्याय

भक्ति का विकास डा० मुंशीराम शर्मा

भारतीय संस्कृति में जैन धर्म का योगदान : डा० हीरालाल जैन, मध्यप्रदेश शासन साहित्य परिषद, भोपाल

भागवत धर्म हरिभाऊ उपाध्याय

भारतीय दर्शन बलदेव उपाध्याय, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग, वि०सं०२०००

भारतीय संस्कृति साने गुरुजी

भारतीय प्रेमाख्यान की परम्परा : पं० परशुराम चतुर्वेदी

भागवत-सम्प्रदाय बलदेव उपाध्याय

मध्यकालीन धर्म-साधना : डा० हजारीप्रसाद द्विवेदी

मध्यकालीन हिन्दी सन्त विचार और साधना : डा० केशनीप्रसाद चौरसिया, हिन्दुस्तानी एकेडेमी, इलाहाबाद

रामानन्द सम्प्रदाय तथा हिन्दी साहित्य पर उसका प्रभाव : डा० बदरीनारायण श्रीवास्तव

रामानन्द सम्प्रदाय डा० बड़थ्वाल

वैष्णव धर्म पं० परशुराम चतुर्वेदी

शैव-मत डा० यदुवंशी

संत सुधासार श्री वियोगी हरि द्वारा सम्पादित

संस्कृति के चार अध्याय : श्री रामधारी सिंह `दिनकर`

संस्कृति का दार्शनिक विवेचन : डा० देवराज

संत दर्शन त्रिलोकीनारायण दीक्षित, साहित्य निकेतन, कानपुर

संत कबीर डा० रामकुमार वर्मा द्वारा सम्पादित

सुन्दर दर्शन		डा० दीक्षित, इलाहाबाद
सूर साहित्य		डा० हजारीप्रसाद द्विवेदी
सूरसागर सार		डा० धीरेन्द्र वर्मा द्वारा सम्पादित
सूफीमत:साधना और साहित्य : श्री रामपूजन तिवारी
सिद्ध साहित्य		डा० धर्मवीर भारती
श्री गुरुदेव भक्तिगंगा	मुनि विद्यानन्द, छुन्नीमल विशालचन्द, चावड़ीबाजार, दिल्ली
हिन्दी जैन भक्ति काव्य और कवि:डा० प्रेमसागर जैन, भारतीय ज्ञानपीठ,काशी,१९६४ई०

अध्ययन ग्रन्थ - अंग्रेजी

जैनिज्म इन साउथ इंडिया : पी० बी० देसाई, जीवराज जैन ग्रन्थमाला,शोलापुर
जैन आर्ट एण्ड आर्किटेक्चर	भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली
इंट्रोडक्शन आव शासन:देवताज़ इन जैन वरशिप -- यू० पी० शाह
जैन आइकोनोग्राफी	भटशाली, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
द जैन स्तूप एण्ड अदर एंटीक्विटीज आव मथुरा : वी० ए० स्मिथ
स्टडीज़ इन जैन आर्ट	डा० यू पी शाह, पी० वी० रिसर्च इंस्टीट्यूट, वाराणसी

पत्र-पत्रिकाएं

अनेकान्त		वीर सेवा मन्दिर, दिल्ली
कल्याण (भक्ति विशेषांक) : गीता प्रेस, गोरखपुर
जैन सिद्धान्त भास्कर	जैन सिद्धान्त भवन, आरा
जैन सन्देश (शोधांक)	भा० दि० जैन संघ, मथुरा
वीरवाणी		वीर प्रेस, जयपुर